NEWS CLIPPING: 10.08.2019

THE TRIBUNE

JC BOSE UNIVERSITY EMERGES 9TH

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has been felicitated for its consistent performance in the national programme on technology enhanced learning (NPTEL). The university has been ranked ninth by the NPTEL among the 2,500 institutes of the country enrolled on it. It was the third time that the university participated and enrolled on the NPTEL and was rated with "AAA" grade on the Swayam-NPTEL local chapter. Dr Neelam Duhan, who is the single point of contact (SPOC) for programme implementation in the university, received this award on behalf of the university at a felicitation function organised at IIT Kanpur recently.

The Tribune Sat, 10 August 2019
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 10.08.2019

NAVBHARAT TIME

जेसी बोस यूनिवर्सिटी को मिला 9वां स्थान

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

नैशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांसमेंट लर्निंग में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी को सम्मान मिला है। यूनिवर्सिटी में डिजिटल इंडिया सेल की नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने बताया कि एनपीटीईएल ने जनवरी से अप्रैल 2019 तक भागीदारी करने वाले टॉप 100 संस्थानों की सूची जारी की। जेसी बोस यूनिवर्सिटी को ऑनलाइन कोर्सेज में नामांकन, पास प्रतिशत व शीर्ष स्थान प्राप्त करने जैसे मापदंडों के आधार पर 9वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने छात्रों को बधाई दी।

रक्तदाताओं के लिए बनाया मोबाइल ऐप

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बनाया मोबाइल ऐप

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले बीटेक के छात्रों ने रोटरी ब्लड बैंक के लिए बूंद नाम का एक मोबाइल ऐप विकसित किया है। इस ऐप में स्वैच्छिक रक्तदाता और रक्त की जरूरत वाले लोग खुद को ब्लड ग्रुप के साथ रजिस्टर्ड कर सकते हैं। मोबाइल ऐप में रक्तदाता व रक्त की जरूरत वाले व्यक्ति की लोकेशन भी दिखाई देती है, ताकि वो आपस में संपर्क कर सकें। इस ऐप में रजिस्टर्ड लोगों को बिना किसी बाधा के सेवाएं प्रदान करने के लिए यूनिवर्सिटी में लैब भी स्थापित होगी। फिलहाल ऐप का ट्रायल चल रहा है और जल्द ही यह गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा।

HINDUSTAN

एप में पंजीकृत रक्तदाताओं का विश्वविद्यालय में डाटा बेस तैयार किया जाएगा, बूंद नामक एप गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड हो सकेगा

वाईएमसीए के छात्र ने रक्तदाताओं के लिए एप तैयार किया

सुविधा

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

स्मार्ट सिटी के लोगों के जरूरत के समय रक्त के लिए ब्लड बैंक में भटकना नहीं पड़ेगा। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के बीटेक के छात्रों ने रोटरी ब्लड बैंक के लिए बूंद नामक एक मोबाइल एप तैयार किया है। इसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति रक्तदाता से सीधे संपर्क में आ सकता है। इसके साथ ही रोटरी ब्लड बैंक में उपलब्ध रक्त के विषय में जानकारी ले सकता है। इसके लिए रोटरी बल्ड बैंक और विश्वविद्यालय के बीच भागीदार बनाया है।

इस मोबाइल एप के माध्यम से अपनी स्वेच्छा और रक्त के लिए इच्छुक व्यक्ति खुद को ब्लड ग्रुप के लिए पंजीकृत कर सकते हैं। यह ऐप रक्तदाता और पंजीकृत उपयोगकर्ताओं एवं इच्छुक व्यक्तियों की जीपीएस लोकेशन को भी दिखाएगा। जिससे रक्तदाता से संपर्क किया जा सके। इस ऐप में पंजीकृत रक्तदाताओं का विश्वविद्यालय में डाटा बेस तैयार किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसका ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है। इसकी सफलता के बाद बूंद नामक एप को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउन लोड कर सकते हैं।

दुर्लभ रक्तग्रुप के लोगों को होगा लाभ

मोबाइल एप जरूरतमंद लोगों के लिए फायदेमंद होगा। यह एप दुर्लभ ब्लड ग्रुप से संबंधित है, क्योंकि जरूरतमंद व्यक्ति मोबाइल एप के माध्यम से अपने ब्लड ग्रुप के विषय में जानकारी साझा कर सकते हैं। इसका डाटा विश्वविद्यालय की डेटा विश्लेषण लैब में मौजूद होगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी एक वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जाएगी। इस पर आने वाला खर्च रोटरी ब्लड बैंक की ओर से वहन किया जाएगा।

वाईएमसीए के बीटेक के छात्रों ने रोटरी ब्लड बैंक के लिए मोबाइल एप तैयार किया। • हिन्दुस्तान

वर्ष में 15 यूनिट रक्त का लक्ष्य

रोटरी ब्लड बैंक के अध्यक्ष संजय वधावन के अनुसार ब्लड बैंक में रोजाना 50 से 60 यूनिट रक्त की जरूरत पड़ती है। इस वर्ष ब्लड बैंक ने 15 हजार यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा है।

वाईएमसीए और रोटरी ब्लड बैंक में समझौता

शुक्रवार को रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट और वाईएमसीए के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह और आरबीबीसीटी के अध्यक्ष संजय वधावन के बीच समझौता किया गया है। यह समझौता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में हुआ। एप को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के छात्र नवदीप कुमार और अनीशा रहेजा ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रो. रश्मि चावला की देखरेख में बनाया गया है। इस परियोजना में रश्मि चावला को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

NEWS CLIPPING: 10.08.2019

PUNJAB KESARI

स्वैच्छिक रक्तदाता तक पहुंचाएगी मोबाइल एप बूंद

विद्यार्थियों ने रोटरी ब्लड बैंक के लिए बनाई मोबाइल ऐप

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन हस्तांतरित करते हुए विश्वविद्यालय व रोटरी के अधिकारी। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 9 अगस्त (पूजा शर्मा): अब फरीदाबाद शहर के लोगों को जरूरत के समय खून के लिए इधर-उधर नहीं घूमना पड़ेगा, बल्कि वे खुद स्वैच्छिक रक्तदाताओं से मोबाइल ऐप ज्बून्दज् के माध्यम से संपर्क कर सकेंगे। इस मोबाइल ऐप को जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के बीटेक विद्यार्थियों ने रोटरी ब्लड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट, फरीदाबाद के लिए विकसित किया है। इस परियोजना को लागू करने में रोटरी ने विश्वविद्यालय को भागीदार बनाया है।इस मोबाइल ऐप के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाता और रक्त के इच्छुक व्यक्ति खुद को ब्लड ग्रुप के साथ पंजीकृत कर सकते हैं। यह ऐप उपयोगकर्ताओं

शहर के जरूरतमंद लोगों को खून मिलने में होगी मदद

को पंजीकृत रक्तदाता एवं इच्छुक व्यक्तियों की जीपीएस लोकेशन भी दर्शाता है ताकि वे उनसे संपर्क कर सके। इस ऐप में पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय डेटा विश्लेषण लैब भी स्थापित करेगा। ऐप के ट्रायल के उपरांत इसे जल्द ही गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध करवा दिया जायेगा। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम तूर्क भी उपस्थित थी। विश्वविद्यालय ने आज रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के साथ परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह और आरबीबीसीटी की ओर से अध्यक्ष श्री संजय वधावन ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये। ऐप को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक के विद्यार्थी नवदीप कुमार और अनीशा खेजा ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर रश्मि चावला की देखरेख में डिजाइन किया है। इस परियोजना में रश्मि चावला नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग से सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र गुप्ता और भरत भूषण परियोजना के समन्वयक होंगे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सीखने का ऐसा मॉड्यूल विकसित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की है, जहां छात्र न केवल वास्तविक समस्याओं को सीखेंगे और समाधान प्रदान करेंगे, बल्कि समाज के लिए अपना योगदान भी देंगे।

उन्होंने रोटरी के अधिकारियों को बताया कि विश्वविद्यालय समय-समय पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन भी करता है। रश्मि चावला ने बताया कि मोबाइल ऐप परियोजना जरूरतमंद ऐसे लोगों के लिए फायदेमंद होगी जो बहुत ही दुर्लभ ब्लड ग्रुप से संबंधित हैं क्योंकि उपयोगकर्ता ऐप के माध्यम से वे अपने ब्लड़ ग्रुप के विवरण साझा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रोटरी के साथ समझौते के अनुसार, रोटरी द्वारा विश्वविद्यालय में डेटा विश्लेषण लैब की स्थापना के लिए सभी जरूरी उपकरण प्रदान करेगा और देखरेख के लिए एक समन्वय अधिकारी नियुक्त करेगा। लैब का उपयोग विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने तथा अनुसंधान उद्देश्यों से किया जाएगा। लैब की स्थापना का सारा खर्च रोटरी द्वारा वहन किया जाएगा।

रोटरी ब्लड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट, फरीदाबाद के अध्यक्ष संजय वधावन ने कुलपति को बताया कि प्रतिदिन 50 से 60 यूनिट रक्त की वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, ब्लड बैंक ने इस वर्ष के लिए 15 हजार यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वविद्यालय से नियमित अंतराल पर रक्तदान शिविर आयोजित करने का आग्रह किया ताकि स्वैच्छिक रक्तदाता विश्वविद्यालय परिसर में रक्तदान करने की सुविधा का लाभ उठा सकें। कुलपति ने रोटरी के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वैच्छिक रक्तदाताओं को जरूरत पड़ने पर खून उपलब्ध करवाने को प्राथमिकता दे। विश्वविद्यालय और रोटरी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांसमेंट लर्निंग (एनपीटीईएल) में लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय को एनपीटीईएल के लोकल चैप्टर में भागीदार देश के 2500 में 9वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह तीसरी बार है जब विश्वविद्यालय ने एनपीटीईएल में भागीदारी की। विश्वविद्यालय को स्वमय-एनपीटीईएल लोकल चैप्टर पर 4एएएज् ग्रेड के साथ मूल्यांकन किया गया। डॉ. नीलम दूहन, जो विश्वविद्यालय में कार्य म कार्यान्वयन के लिए संपर्क के एकल बिंदु (एसपीओसी) हैं, ने 3 अगस्त, 2019 को आईआईटी कानपुर में आयोजित एक समारोह में विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विशेष रूप से डिजिटल इंडिया प्रकोष्ठ और विद्यार्थियों को इस प्रक्रिया में भाग लेने और रैंकिंग में 9वां स्थान हासिल करने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है जो शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए गुणवत्ता मानकों को दर्शाता है। विश्वविद्यालय के डिजिटल इंडिया सेल के नोडल अधिकारी डॉ. नीलम दूहन ने अवगत कराया है कि एनपीटीईएल ने जनवरी से अप्रैल 2019 तक भागीदारी करने वाले शीर्ष के 100 संस्थानों की सूची जारी की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न ऑनलाइन पाठ्य मों में नामांकन, उत्तीर्ण प्रतिशत और शीर्ष स्थान प्राप्त करने जैसे चुनिंदा मापदंडों के आधार पर नौवां स्थान प्राप्त किया है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 10 August 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/42435279

NEWS CLIPPING: 10.08.2019

AMAR UJALA

मोबाइल ऐप 'बूंद' से घर बैठे जुड़ेंगे रक्तदाता

जेसी बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तैयार किया है

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने रोटरी ब्लड बैंक के लिए मोबाइल ऐप के जरिए रक्तदाताओं तक पहुंच बनाने की सुविधा दी है। शहर के लोगों को खून के लिए इधर-उधर नहीं घूमना पड़ेगा, बल्कि वे खुद स्वैच्छिक रक्तदाताओं से मोबाइल ऐप 'बूंद' के जरिए पहुंच सकेंगे।

जेसी बोस के बीटेक विद्यार्थियों ने रोटरी ब्लड बैंक को भागीदार बनाया है। मोबाइल ऐप के जरिए स्वैच्छिक रक्तदाता और जरूरतमंद व्यक्ति खुद को ब्लड ग्रुप के साथ पंजीकृत कर सकेंगे। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को पंजीकृत रक्तदाता एवं इच्छुक व्यक्तियों की जीपीएस लोकेशन भी दर्शाएगा। ताकि वे उनसे संपर्क कर सकें।

उपयोगकर्ताओं को पंजीकृत रक्तदाता एवं इच्छुक व्यक्तियों की जीपीएस लोकेशन भी दर्शाएगा

इस ऐप में पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय डेटा विश्लेषण लैब भी स्थापित करेगा। ऐप के ट्रायल के उपरांत इसे जल्द ही गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध करवा दिया जाएगा। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम तुर्क भी उपस्थित रहीं। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के साथ परियोजना के क्रियान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। कॉलेज और रोटरी के पदाधिकारियों ने किये। विवि के डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह और आरबीबीसीटी की ओर से अध्यक्ष संजय वधावन ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इन विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

ऐप को इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक के विद्यार्थी नवदीप कुमार और अनीशा रहेजा ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर रश्मि चावला की देखरेख में डिजाइन किया है।